[This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.	

ASME-24BC-HIN
HINDI (COMPULSORY)
हिन्दी (अनिवार्य)

Time Allowed : 3 Hours [Maximum Marks : 100
निर्धारित समय : 3 घंटे अधिकतम अंक :100

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS
प्रश्न पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.
उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें ।

1. There are **FIVE** questions and all questions are compulsory.
इस प्रश्नपत्र में कुल **पाँच** प्रश्न हैं और सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य हैं।

2. The number of marks carried by a question/ part are indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न / भाग के नियत अंक उसके सामने अंकित हैं।

3. Write answers in legible handwriting.
सुपाठ्य लिखावट में उत्तर लिखिए।

4. Answers must be written in HINDI unless otherwise directed in the question.
यदि किसी प्रश्न विशेष के संबंध में अन्यथा निर्दिष्ट न हो तो प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में ही लिखें।

5. Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
जिन प्रश्नों के संबंध में अधिकतम शब्द संख्या निर्धारित है, वहाँ इसका अनुपालना आवश्यक है।

6. Attempts of the questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet (QCAB) must be clearly struck off.
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रुप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा नहीं गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका का कोई भी पृष्ट अथवा पृष्ट का भाग, जो खाली छोड़ा गया हो, उसे को स्पष्ट रूप से काट दीजिए।

7. Re-evaluation/ re-checking of answer book of the candidate is not allowed.
उम्मीदवार की उत्तरपुस्तिका का पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच की अनुमति नहीं हैं।

1. किसी एक विषय पर लगभग 700 शब्दों में सारगर्भित निबंध लिखिए : 30

(क) जाति-आधारित जनगणना का मुद्दा और भारतीय लोकतंत्र

(ख) 21वीं सदी के हिंदी सिनेमा (वेब सीरीज़ सहित) के मुख्य विचार-बिंदु

(ग) लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण में वैकल्पिक पत्रकारिता और सोशल मीडिया की भूमिका

(घ) नई विश्व-संरचना में भारत

2. (क) निम्नलिखित गद्यांश का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 10

For two decades now India's air pollution has led to much hand-wringing, especially during the winter months when a thick layer of smog blankets a vast swathe of the country. Action, however, has mostly taken the form of piecemeal panic-induced measures, like spraying water to minimize dust on the roads and imposing the odd-even scheme for vehicles. Even with the adoption of clean air plans by most cities, the failure at the policy level to link pollution with public health meant that the long-term damage it can cause has not received adequate attention. The heaviest price for this oversight is paid by the most vulnerable, especially, as is clear now, by children. They inhale more air per kilogram of body weight and absorb more pollutants compared to adults. With their lungs, brains and other organs still developing and their body's defence mechanisms still relatively weak, exposure to pollution sets them up for ailments.

Still, there is hope. The State of Global Air Report 2024 notes that since 2000, the global death rate linked to air pollution, among children under five, has dropped by 53 per cent. This is mainly the result of expanding access to clean energy for cooking, improved healthcare access and nutrition as well as building awareness. The measurable impact of implementing stricter air quality policies and encouraging the shift to hybrid or electric vehicles in Africa, Latin America and Asia also hold lessons. With 42 out of 50 most polluted cities in the world and where a 2022 study found that even municipal employees—who should be among the frontline workers driving the change—had little awareness of air pollution's link to cancer and heart disease, the challenge for India is steep. To face it, the health of its citizens, especially the young, must be at the heart of any solution.

2. (ख) निम्नलिखित गद्यांश का अँग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए : 10

स्वास्थ्य-बीमा उन लोगों के लिए बड़ा सहारा होता है जो गंभीर या बेहद खर्चीली बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। स्वास्थ्य-बीमा शुरू करने का मक़सद भी यही था कि लोगों को स्वास्थ्य पर खर्च की चिंता से मुक्त रखा जा सके। मगर इसमें एक बड़ी बाधा यह थी कि पैंसठ वर्ष से अधिक उम्र के लोग यह बीमा नहीं खरीद सकते थे। एक बात और—कैंसर, हृदय रोग या एड्स जैसी कुछ गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को भी इसकी सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इसके अलावा, स्वास्थ्य-बीमा खरीदने के बाद अड़तालीस महीने तक उसका लाभ नहीं उठाया जा सकता था। अब भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण ने नियम जारी किया है कि पैंसठ वर्ष से अधिक आयु के लोग भी स्वास्थ्य-बीमा करवा सकेंगे। यानी अब किसी भी उम्र में स्वास्थ्य-बीमा खरीदा जा सकता है और बीमा कंपनियाँ किसी बीमारी विशेष के कारण बीमा देने से मना नहीं कर सकतीं। अब बीमा-क्रय के छत्तीस महीने बाद उसका लाभ

उठाया जा सकेगा। बीमा-क्षेत्र को विस्तार देने और प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से इस क्षेत्र में निजी बैंकों और विदेशी कंपनियों के लिए सौ फ़ीसद निवेश का रास्ता खोला गया था। फिर बीमा कंपनी बदलने की भी छूट दे दी गई थी। निस्संदेह इससे बीमा कंपनियों में प्रतिस्पर्धा बढ़ी और लोगों को इसका लाभ मिलना भी शुरू हो गया, पर स्वास्थ्य बीमा के मामले में उपर्युक्त बाधाएँ बनी हुई थीं। अब उनके हट जाने से निश्चित ही बहुत सारे लोगों के लिए आसानी हो जाएगी। अनेक देशों में वृद्धों की सेहत पर विशेष ध्यान दिया जाता है, मगर जिस तरह हमारे देश में सार्वजनिक सुविधाओं का अभाव बढ़ता गया है, उसमें बुज़ुर्ग आबादी की सेहत का ध्यान रखना चुनौती बन गया है। ऐसे में स्वास्थ्य-बीमा की शर्तों को लचीला बनाने से बेहतर नतीजे मिल सकते हैं।

3. (क) निम्नलिखित कविता की व्याख्या कीजिए : 10

मेरी नींद में सपने ख़त्म नहीं होते
मेरी आँख में उम्मीद अटकी रहती है
मेरे पाँव से लिपटी रहती हैं यात्राएँ
मेरे हाथ कभी ख़ाली नहीं रहते

मेरे चेहरे पर अनवरत बदलती रहती हैं भंगिमाएँ
मस्तिष्क में चलता है एक अविरल मन्थन
रात के सुनसान में
झरती रहती है विचारों की राख

मेरी साँसें देती हैं मुझे ताब
मैं आदमी हूँ जनाब।

(ख) निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए : 10

'निजी' और 'सामाजिक' के बीच इतना ध्रुवीकरण है नहीं, जैसा मान लिया गया है। जब तक एक रचना में 'निजी' का साधारणीकरण नहीं होता उसकी सामाजिकता संदिग्ध या संकीर्ण रहती है। भाषा अपने आप में अभिव्यक्ति का एक ऐसा माध्यम है जो निजी भी है और सामाजिक भी। मेरा मानना है कि निजी और सामाजिक प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं। एक-दूसरे के पूरक हैं न कि एक-दूसरे के दुश्मन। जीवन में विभिन्नताएँ हैं, पर वैसा विभाजन और विभागीकरण नहीं जैसा हमारे सोचने के तरीकों में होता है। विभिन्नताओं का सह-अस्तित्व सम्भव है। एकता का अर्थ एकरसता नहीं है।

4. (क) निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य-प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए: 5

(i) फूटी कौड़ी न होना

(ii) पाँव ज़मीन पर न पड़ना

(iii) नाक रगड़ना

(iv) भौहें टेढ़ी करना

(v) लाल-पीला होना

(ख) निम्नलिखित वाक्यों को सुधारकर लिखिए : 5

(i) पापा मुझे जॉनी सर से गिटार बजाना सिखा रहे हैं।

(ii) उनके तीन बेटा दुश्मनों से लड़ते हुए काम आ गए।

(iii) रीता की शादी में कोई लगभग चार सौ लोग पधारे।

(iv) देखते-देखते वह ऊँची पेड़ की डाल पर चढ़ गया।

(v) गुरुजी मुझे तो आप आशीर्वाद दो।

(ग) शुद्ध वर्तनीवाले शब्दों को चुनकर लिखिए : 5

अनाधिकार, साधु, लघुत्तर, स्रष्टि, ऐतबार, त्यौहार, दिनाँक, मँहगा, कार्रवाई, कृतकृत, पुरुस्कार, निष्कासित, संन्यासी, आल्हाद, ठहरिये, श्रंखला, औचित्य, घनिष्ठता, वरियता, मतेक्य, क्रमअनुगत, उज्वल, अनुशंसा, अभिशेक, दुश्चक्र, निरोग, सहस्राब्दी, परिस्थिकी, पराकाष्ठा, स्वस्थ्य

5. (क) निमलिखित सामासिक शब्दों का हिंदी में विग्रह कीजिए और समासों के नाम भी लिखिए : 5

(i) समक्ष

(ii) कपड़े-लत्ते

(iii) कार्यकुशल

(iv) अधमरा

(v) रातोंरात

(ख) निम्नलिखित से बननेवाली भाववाचक संज्ञाएँ लिखिए : 5

(i) अड़ना

(ii) बचना

(iii) बुलाना

(iv) घुड़कना

(v) मनाना

(vi) पाना

(vii) चलना

(viii) घबराना

(ix) सजना

(x) उठना

(ग) निम्नलिखित शब्दों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :

तन्मयता, हुल्लड़, घटक, मौन, ठिकाना, आलंब, परुष, एकाग्र, चौकस, उद्यम, अकिंचन, स्वायत्त, ऐक्य, उत्पात, आगज़नी, ध्येय, क्षिप्र, निर्मम, नीरव, चेष्टा

ऊपर दिए शब्दों में से उपयुक्त शब्दों का चुनाव करके निम्नलिखित के दो-दो समानार्थी लिखिए : 5

(i) उपद्रव

(ii) कठोर

(iii) शांत

(iv) प्रयास

(v) लक्ष्य

******